



Total No. of Printed Pages – 4

CCSME21

808288

PAPER / पत्र – II

PANCHPARGANIA LANGUAGE AND LITERATURE

पंचपरगनिया भाषा – साहित्य

SUBJECT CODE / विषय कोड : 12

Full Marks : 150

Time : 3 Hours

पूर्णांक : 150

समय : 3 घण्टे

निर्देश :

- (i) सउआल दुइ भागे बॉटल आहे। भाग “क” (A) मेहेन 4 टा सउआल (सउआल संइखा 1 ले 4) आर भाग “ख” (B) मेहेन जमा 4 टा सउआल (सउआल संइखा 5 ले 8) आहे।
- (ii) सउआल संइखा 1 आर सउआल संइखा 5, सउब के लिखना जडुरि आहे।
- (iii) परिछारथि (परीक्षार्थी) के जामा 6 टा सउआलेक उत्तर लिखेक आहे, जेटाएँ दिअ भाग “क” (A) आर भाग “ख” (B) केर अनिबाइरज (अनिवार्य) सउआल संइखा केर अलादा 1 (एक टा सउआल) केर उत्तर लिखेक टा अनिबाइरज (अनिवार्य) हेके।
- (iv) अनिबाइरज (अनिवार्य) सउआल संइखा 1 आर 5 मेहेन देल सात सउआलेक मइधे पाँच सउआलेक जबाप लिखेइ हइ, जेकर 7 अंक निरधारित (निर्धारित) आहे।
- (v) सउआल संइखा – 1 आर 5 केर अलादा बाकि सउआलेक अंक 20 चाहे 10-10 अंक “क” आर “ख” माहने आहे।

अंक

भाग “क” (A)

1. हेंठे देल मइधे कन' पाँच सउआलेक जबाप लिखा : (5 × 7 = 35)
  - (क) पंचपरगनिया भासागत बिसेसता के लिखा।
  - (ख) पंचपरगनिया भासाक बेआकरनिक बिसेसता के लिखा।
  - (ग) पंचपरगनिया सरब'नाम केर भेद के निमुद दे के बाचिक करा।
  - (घ) पंचपरगनिया उपसरग आर परतए के निमुद दे के बाचिक करा।
  - (ङ) पंचपरगनिया आर कुरमालि भासाए का तफाइत आहे ? लिखा।
  - (च) पंचपरगनिया बिहा गिते करून रसेक बाखान करा।
  - (छ) पंचपरगनिया लिंग भेद के निमुद दे के लिखा।

CCSME21 (12)

P.T.O.



2. पंचपरगनिया गइद साहितेक बिकास काथा के उजागर करा । 20  
चाहे  
पंचपरगनिया ल'क गिते सिंगार रस केर बाचिक निमुद दे के लिखा ।
3. पंचपरगनिया पुरखउति कहनि केर सरूप के फरिचाए के लिखा । 20  
चाहे  
पंचपरगनिया करम ल'क कहनि काथा के लिखा ।
4. (क) पंचपरगनिया मुहाबरा आर कहतुक काथा के निमुद दे के फरक करा । 10  
(ख) पंचपरगनिया पइद साहितेक बिकास जातरा केर बाचिक करा । 10

**भाग "ख" (B)**

हेंठे देल मइधे कन' पाँच सउआलेक जबाप लिखा :

(5 × 7 = 35)

5. (क) पंचपरगनिया पइद साहिते खंड काइब केर बाचिक करा ।  
(ख) पंचपरगनिया बिहा गिते आंगनाइ गितेक बाखान करा ।  
(ग) पंचपरगनिया कहनि साहिते संत'स साहु पिरतम केर जाएगा धारिज करा ।  
(घ) पंचपरगनिया निबंध साहितेक समफला बिकास मेहेन आपन राए देउ ।  
(ङ) पंचपरगनिया गइद साहिते राजकिसर चाहे जतिलाल महादानि केर लेखनिक बाखान करा ।  
(च) हामरेक जिबने ल'क गितेक का महता आहे ? बरनिमा करा ।  
(छ) पंचपरगनिया केर कन' एकटा बाल गित लिख कहन ताकर भाउअ (भाव) भंगिमा करा ।

6. पंचपरगनिया केर बिकास मेहेन बंगला भासा केर परभाउअ (प्रभाव) केर कारन के लिखा । 20

चाहे

पंचपरगनिया भासा साहितेक बिकास काथा के फरिचाए के लिखा ।



7. हेंठे देल पइद अंस टा केर सपरसंग बेइखा करा : 10
- (क) हाँतु भरि काढ़ा भाला, ठेहुना भरि पानि ह',  
जते लागल बेरिआ डुबाइ रे ।  
पएना के साराप हामके लागए  
चलिजाबं इसर लालिस ह' ॥
- (ख) पंचपरगनिया मेहेन पारमपारिक कला केर लेके एकटा लेख लिखा । 10
8. (क) हेंठे देल पइद अंस टा केर पंचपरगनिया मेहेन अनुवाद करा : 10
- तुम्हें क्या करना चाहिए, इसका ठीक-ठीक उत्तर तुम्हीं को देना होगा, दूसरा कोई नहीं दे सकता । वह कितना भी विश्वास-पात्र मित्र क्यों न हो वह इस काम को अपने उपर नहीं ले सकता । हम अनुभवी लोगों की बातों को आदर के साथ सुनें, बुद्धिमानों की सलाह को कृतग्यतापूर्वक मानें, पर इस बात को निश्चित समझकर कि हमारे कामों से ही हमारे रक्षा व हमारा पतन होगा । हमें अपने विचार और निर्णय की स्वतंत्रता को दृढ़तापूर्वक बनाए रखना चाहिए । जिस पुरुष की दृष्टि सदा नीची रहती है उसका सिर कभी उपर न होगा । नीची दृष्टि रखने से यदपि रास्ते पर रहेंगे पर इस बात को न देखेंगे कि यह रास्ता कहाँ ले जाता है । चित्र की स्वतंत्रता का मतलब चेष्टा की कठोरता या प्रकृति की उग्रता नहीं है । अपने व्यवहार में कोमल रहो और अपने उद्देश्यों को उच्च रखो, इस प्रकार नम्र और उच्चाशय दोनों बनो । अपने मन को कभी मरा हुआ न रखो । जो मनुष्य अपना लक्ष्य जितना ही उपर रखता है उतना ही उसका तीर उपर जाता है ।
- संसार में ऐसे-ऐसे दृढ़चित्त मनुष्य हो गए हैं जिन्होंने मरते दम तक सत्य की टेक नहीं छोड़ी अपनी आत्मा के विरुद्ध कोई काम नहीं किया । राजा हरिश्चन्द्र पर इतनी विपत्तियाँ आयीं पर उन्होंने अपना सत्य नहीं छोड़ा ।
- (ख) हेंठे देल गइद अंस टा पइद के पेंदाएं पुछल सउआलेक जबाप लिखा : 10
- इटा एकटा जगजाहिर सत हेके कि भल, लग केर गुनेक विकास बेसि-ले बेसि कुपहरा मेहनेइ हएला । जिनभ भइरे इटाक सत गटाइ भरति पुरति आहे । दुख आर पिडा भितरिआ धथर के निछडेक संगे-संगे एकटा एसन भितरिआ दिढ़' के जनम देला जेटा मानुस के ताताल स'ना रकम चमकाए देला । पहाड़ रकम आफइत संग थुकड़ाएके अकर बल बाढ़ेला । रिदए मेंहेन एसन अचमभित गुन के जनम देला कि एक बार कसट' लेक भिड़ कहन फेइर उ अके खेइल बुझे लागेला । अकर रिदए आफइत के एक धार कइर के आपन नाउआ डहर बनाएके बिरतापेक गुन आए जाएला । मनेक रकम काम करले गात पाकठ' बनाएला । काम करले गात के बलिसट' बनाएला । आफइते पइइ कहनउ दिढ़ हल गात टा आँट काम कइर कहन पाखना रकम बइन जाएला । लग कइह जाए आहए, "मर उपर एतना कसट' हल परउ सेहा हुलका हए गेलक" तखन उ सत टा के जाने पाए रहे । चारितिक मजबुति केर तेहें जे कसट' बेसि करेला, पाकठ' गात केर तेहँउ उहे काम करेला । इ दुइअ टा एसन हाथेआर हेके, जे पिट-पिट कहन मन आट गात के लहाबनाए देला ।



सउआल -

- (i) बिपरित परिसथिति केर कारन का हे के ?
  - (ii) मानुस के सना रकम बनाएक माहान क'न टा सहाइज हइ ?
  - (iii) आफइत कर समइए आपन डहर बनाएक खेमता कबे आएला ?
-